भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1891

जिसका उत्तर 11.12.2025 को दिया जाना है

राष्ट्रीय राजमार्गों पर पैदल यात्री सम्बन्धी अवसंरचना

तमिलनाडु में राष्ट्रीय राजमार्गों पर कार्य

1891. श्री एस. जगतरक्षकन:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आज की तिथि तक तमिलनाडु में राष्ट्रीय राजमार्गों पर पुल, फ्लाईओवर, अंडरपास, सर्विस लेन और पुलिया सहित निर्माणाधीन संरचनाओं की कुल संख्या कितनी है और प्रत्येक मामले में कार्य प्रारम्भ होने के वर्ष का ब्यौरा क्या है तथा वर्तमान में कार्य पूरा होने के किस चरण में है;

(ख) ऐसी कितनी संरचनाएं हैं जो क्रमशः एक वर्ष, दो वर्ष तथा तीन वर्ष से अधिक समय से अधूरी पड़ी हैं;

(ग) क्या इनमें से किसी अधूरी संरचना को पूर्णता प्रमाणन प्राप्त करने से पूर्व सार्वजनिक उपयोग के लिए खोल दिया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) विगत पांच वर्षों के दौरान इन परियोजनाओं के लिए कुल कितनी निधि आवंटित, जारी और व्यय की गई है और लागत में वृद्धि अथवा विलंब के क्या कारण हैं?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) अभी तक, तमिलनाडु राज्य में 79 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के अंतर्गत पुल, फ्लाईओवर, अंडरपास और पुलिया जैसी लगभग 844 संरचनाएं निर्माणाधीन हैं। ये संरचनाएं निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। ऐसी प्रत्येक संरचना के प्रारंभ होने का वर्ष और पूर्ण होने की वर्तमान स्थिति संबंधित कार्यान्वयन एजेंसियों अर्थात् भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई)/राज्य पीडब्ल्यूडी द्वारा अनुरक्षित की जाती है और इनकी क्षेत्रीय और मुख्यालय स्तरों पर नियमित रूप से निगरानी की जाती है।

(ख) राज्य की 79 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में पुल, फ्लाईओवर, अंडरपास आदि सहित 844 संरचनाओं में से, 104 संरचनाओं वाली 18 परियोजनाएं एक वर्ष से अधिक समय से अधूरी हैं, 80 संरचनाओं वाली 13 परियोजनाएं दो वर्ष से अधिक समय से अधूरी हैं, और 62 संरचनाओं वाली 5 परियोजनाएं तीन वर्ष से अधिक समय से अधूरी हैं।

(ग) सार्वजनिक उपयोग के लिए सुरक्षा और यातायात-योग्यता मानदंडों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने के पश्चात् ही कोई राष्ट्रीय राजमार्ग संरचना खोली जाती है। पूर्ण होने और अपेक्षित सुरक्षा लेखापरीक्षा (ऑडिट) के संचालन से पूर्व किसी भी संरचना को यातायात के लिए खोले जाने की रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है।

(घ) निधियां राज्य-वार आवंटित की जाती हैं, परियोजना-वार आवंटित नहीं की जाती हैं। पिछले पांच वर्षों के दौरान तमिलनाडु में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए आवंटित और किए गए व्यय की कुल राशि क्रमशः 36405.00 करोड़ रु. और 36396.00 करोड़ रु. है।

देरी और लागत में वृद्धि, जहां भी हुई, के मुख्य कारणों में भूमि अधिग्रहण, जनोपयोगी सुविधाओं के स्थानांतरण, पर्यावरण और वन मंजूरी, कानून और व्यवस्था की समस्याएं, स्थानीय विरोध, अतिक्रमण, संविदाकारों का खराब कार्य निष्पादन, निर्माण सामग्री की कमी और अप्रत्याशित स्थल (साइट) की स्थिति से संबंधित मुद्दे शामिल हैं।

*****